नवभारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

तनाव ग्रस्त दुनिया और भारत की संतुलित कूटनीति

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक प्रतिस्पर्धा के बीच भारत की विदेश नीति एक नए आत्मविश्वास के साथ उभरती दिखाई दे रही है. एक समय था जब भारत को अंतरराष्ट्रीय राजनीति में किसी एक खेमे के साथ खड़ा होना पड़ता था, लेकिन आज की परिस्थिति अलग है. भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को केंद्र में रखते हुए ऐसी संतुलित कूटनीति विकसित की है, जिसमें मित्रता भी है, रणनीति भी है और व्यावहारिकता भी.

हाल के दिनों में हॉर्मुज जलडमरू मध्य के आसपास पैदा हुआ संकट इस नई कूटनीतिक क्षमता का महत्वपूर्ण उदाहरण है. ईरान और पश्चिमी देशों के बीच तनाव के कारण दुनिया के सबसे संवेदनशील ऊर्जा मार्गों में से एक हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है. वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा इसी मार्ग से होकर गुजरता है. ऐसे समय में ईरान द्वारा भारतीय एलपीजी जहाजों, 'शिवालिक' और 'नंदा देवी' को सुरक्षित रास्ता देना केवल एक औपचारिक कदम नहीं है, बल्कि यह भारत और ईरान के बीच विश्वासपूर्ण संबंधों का संकेत है.

भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग 85 से 88 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है और इसका बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से आता है. इसलिए हॉर्मुज जैसे मार्गों की सुरक्षा भारत के लिए केवल भू-राजनीतिक मुद्दा नहीं बल्कि आर्थिक स्थिरता का भी प्रश्न है. ईरान के राजदूत मोहम्मद फताली का यह बयान कि 'भारत और ईरान दोस्त हैं और उनके साझा हित हैं', इस भरोसे को और मजबूत करता है.

दूसरी ओर भारत ने यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करके वैश्विक आर्थिक मंच पर अपनी स्थिति को और मजबूत किया है. जनवरी 2026 में हुआ यह समझौता इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि यूरोपीय संघ के 27 देशों का विशाल बाजार अब भारतीय निर्यात के लिए अधिक खुला होगा. विशेषज्ञों ने इसे 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहा है. अनुमान है कि 2032 तक यूरोपीय संघ को भारतीय निर्यात दोगुना हो सकता है. टेक्सटाइल, फार्मा और कृषि उत्पादों को मिली व्यापक ड्यूटी छूट भारतीय उद्योगों के लिए नए अवसर पैदा करेगी.

खाड़ी देशों के साथ भारत के संबंध भी पिछले एक दशक में तेजी से गहरे हुए हैं. एक समय ये संबंध मुख्यत: ऊर्जा व्यापार तक सीमित थे, लेकिन अब निवेश, प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ रहा है. वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और खाड़ी सहयोग परिषद के बीच व्यापार 178 अरब डॉलर से अधिक पहुंच चुका है. इसके अलावा खाड़ी देशों में रह रहे एक करोड़ से अधिक भारतीय प्रवासी भारत की अर्थव्यवस्था और सॉफ्ट पावर दोनों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं.

इसी बीच भारत ने इजरायल और अमेरिका के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को भी मजबूत किया है. रक्षा और अत्याधुनिक तकनीक के क्षेत्र में अमेरिका के साथ सहयोग बढ़ रहा है, जबकि इजरायल भारत का एक महत्वपूर्ण रक्षा साझेदार बना हुआ है. इसके बावजूद भारत ने फिलिस्तीन के मानवीय मुद्दे पर अपना पारंपरिक संतुलित रुख बरकरार रखा है. यही संतुलन रूस और यूक्रेन के संदर्भ में भी दिखाई देता है, जहां भारत ने दोनों देशों के साथ संवाद और सहयोग बनाए रखा है.

दरअसल आज की दुनिया में वही देश प्रभावशाली बन सकता है जो बदलती परिस्थितियों के बीच अपने हितों की रक्षा करते हुए संतुलन बनाए रख सके. भारत की विदेश नीति इसी सिद्धांत पर आगे बढ़ रही है. जाहिर है कि भारत किसी एक शक्ति केंद्र का अनुयायी नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था में एक स्वतंत्र और प्रभावशाली धुरी के रूप में उभर रहा है. हॉर्मुज की लहरों से लेकर ब्रुसेल्स के कूटनीतिक गलियारों तक, भारत की यह नई कूटनीतिक पहचान साफ दिखाई देने लगी है.

हल नहीं हुआ ईरान के नये शासन का मसला

कुछ गुटों के बीच संघर्ष जारी

ईरान में एक प्रत्यक्ष जंग के पीछे एक अप्रत्यक्ष जंग भी जारी है. यह जंग ईरान के भीतर कुछ गुटों के बीच चल रही है. पूर्व शाह के बेटे रजा पहलवी से लेकर मुजाहिदीन-ए-खल्क और कुर्द संगठनों तक. इस बहुपक्षीय जंग का भी लक्ष्य है ईरान की सत्ता पर कब्जा. ईरान इजराइल और अमेरिकी संघर्ष अनंत काल तक नहीं चलेगा. ट्रंप का ऐलान है कि ईरान से बिना शर्त समर्पण के अलावा कोई समझौता, युद्धविराम वगैरह नहीं होगा. युद्ध लगातार चला तो कुछ महीनों में खत्म भी होगा. युद्ध के नतीजों का पहला परिदृश्य बनता है कि ईरान की सेना और आईआरजीसी बिना शर्त पूर्ण आत्मसमर्पण कर दे और एकजुट विपक्षी गुट रजा पहलवी की अगुवाई में अंतरिम सरकार बनाए, दूसरा, ईरान में आने वाला नया नेतृत्व पूरी तरह आत्मसमर्पण के बजाय परमाणु तथा मिसाइल कार्यक्रमों पर कुछ समझौता करे, अमेरिका पीछे हटकर इजराइल को निगरानी सौंपे कि उल्लंघन पर वह हमले करेगा. तीसरा, शासन अपनी आंतरिक काउंसिल के माध्यम से स्थिति को संभाल ले. ईरान मिसाइल और ड्रोन हमलों से लड़ता रहे और इस बीच एक नया सर्वोच्च नेता चुन ले. आईआरजीसी सत्ता थाम ले यानी सैन्य शासन हो

जाए और वह अमेरिका प्रेरित विद्रोह को कड़ाई से दबाए. चौथा परिदृश्य यह कि यह कि युद्ध लंबा खिंचते देख अमेरिका कुर्दों और ईरानी सत्ता के दूसरे विरोधी धड़ों को भड़का दे. कुर्दों और अजेरी लोगों के बीच अस्थिरता फैल जाए जिसके साथ लूर, अरब, बलोच, जेरी भी शामिल हो जाएं. देश गृहयुद्ध तथा आंतरिक कलह एवं हिंसा में जलने लगे. देश लीबिया जैसा टूट जाए या सीरिया सा बिखर जाए. ट्रंप की पोस्ट-वॉर रणनीति भी यही है. ईरानी सेना और आईआरजीसी पूरी तरह समर्पण कर दे बहुत मुमकिन नहीं. क्योंकि इस्लामी गणराज्य की संस्थाएं अभी भी मजबूत हैं और सत्ता परिवर्तन का रास्ता उतना सरल नहीं है, जितना बाहर से दिखता है. पहलवी को संयुक्त विपक्ष द्वारा नेता स्वीकारने की संभावना भी कम है. इस संक्रमण के दौर में रजा पहलवी युद्ध से पहले से खुद को 'संक्रमणकालीन नेता' के तौर पर पेश कर रहे हैं. फिलहाल उन्होंने ईरानी जनता को संदेश दिया है कि सतर्क रहें और उचित समय पर अंतिम कार्रवाई के लिए सड़कों पर लौटने को तैयार रहें. वे राजशाही के बजाए एक धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक व्यवस्था स्थापित करने का वादा कर रहे हैं, लेकिन पहलवी की राह आसान नहीं है. उनकी सबसे बड़ी कमजोरी उनकी 'विभाजनकारी' छवि है. आरोप है कि वे अमेरिका और इजराइल के हस्तक्षेप को 'मुक्ति' का जरिया मानते हैं.

मरियम रजवी या पहलवी जैसे नेता विदेशी मीडिया में भले ही चर्चित हों, लेकिन ईरान के अंदर उनकी वास्तविक राजनीतिक पकड़ सीमित है. वैसे भी तभी सत्ता में आ सकते हैं, जब अमेरिका जमीनी सेना उतारे. लेकिन जैसा कि अफगानिस्तान और इराक में देखा गया, ऐसी सरकारें कभी भी 'वैधता' हासिल नहीं कर पातीं. तीसरा महत्वपूर्ण खिलाड़ी कुर्द संगठन हैं. ट्रंप इन्हें ही अपना मोहरा बनाना चाहते हैं. हाल ही में 'कोअलिशन ऑफ पॉलिटिकल फोर्सेज ऑफ ईरानी कुर्दिस्तान' नामक गठबंधन के तहत पांच प्रमुख कुर्द संगठन राजनीतिक मंच बनाकर कुर्दों के अधिकारों और स्वायत्तता की मांग कर रहे हैं.

ईरान का एक बड़ा वर्ग इसे 'देशद्रोही', और 'विदेशी कठपुतली' के बतौर देखता है. रजा पहलवी के पास ईरान के भीतर कोई मजबूत संगठनात्मक ढांचा भी नहीं है. दूसरा गुट इस्लामी गणराज्य के खिलाफ संघर्ष करते रहने वाला 'नेशनल काउंसिल ऑफ रेजिस्टेंस ऑफ ईरान' है, मरियम रजवी की अगुवाई वाले इस गुट की जड़ें विद्रोही संगठन मुजाहिदीन-ए-खल्क में हैं. यह भी ईरान को एक धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य बनाने, मृत्युदंड समाप्त करने, महिलाओं और अल्पसंख्यकों को समान अधिकार देने तथा परमाणु कार्यक्रम समाप्त करने जैसे वादे करता है, लेकिन इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि विवादास्पद है. 1980 के दशक में ईरान-इराक युद्ध के दौरान यह सद्दाम हुसैन का सहयोगी था, सो ईरानियों के मन में इसके प्रति अविश्वास ज्यादा है.

✍ संजय श्रीवास्तव

विंध्य की डायरी

सिलेंडर के साथ जनता सड़क पर

डॉ. रवि तिवारी

एलपीजी गैस सिलेंडर संकट को लेकर चारो तरफ हाहाकार मचा हुआ है. जहा एक तरफ गैस गोदामो पर जनता की भीड़ है तो उधर इस मुद्दे पर राजनीति भी जमकर हो रही है. विंध्य में कांग्रेस भले ही सडक़ो पर नही उतरी लेकिन गैस के बढ़े हुए दाम एवं संकट को लेकर अन्य जगह सरकार को घेरने में लगी है. यह बात और है कि कांग्रेसी नेता जनता के साथ धूप में सिलेंडर लेकर भले ही नही खड़े हो पर बयानबाजी से सरकार पर निशाना जरूर साध रहे है. देश के अलग-अलग कोनो में भले ही विरोध प्रदर्शन हो रहे है पर विंध्य के नेता केवल अपने बयानबाजी से ही सरकार को कटघरे में खड़ा करने के साथ जनता के आंसू पोछ रहे है. चिलचिलाती धूप में हर कोई दो वक्त की रोटी के लिये सिलेंडर के साथ सडक़ पर खड़ा है. सत्ताधारी नेता चिप्पी साधे है और विपक्ष के नेता बयान तक सीमित है. सवाल यह उठता है कि जब जनता परेशान होती है चाहे सिलेंडर के लिये हो या बिजली के लिय, तब नेता कहा चले जाते है. इस समय विपक्ष में बैठी कांग्रेस नेताओं को जनता के साथ खड़े होने की जरूरत है और सरकार की नीतियों के चलते जो संकट पैदा हुआ है उसे बताना चाहिए. अगर मुद्दो की राजनीति करनी है तो यह एक अवसर भी है. रीवा में कांग्रेस प्रदेश महासचिव श्रीमती कविता पाण्डेय घर से बाहर निकल कर सिलेंडर के साथ महिलाओं के साथ खड़ी हुई और सरकार की नाकामी बताते हुए आंदोलन तक की चेतावनी दी है पर दूसरे कांग्रेसी बाहर तक नही निकले. अमूमन पूरे विंध्य में यही हाल है.

मनमानी बिजली बिल से विधायक चिंतित

तेज तपन के साथ पारा सातवें आसमान पर पहुंच रहा है तो वही भारी भरकम बिजली बिल ने उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है. मनमानी और खपत से कही ज्यादा आ रहे बिल को लेकर पूर्व नेता प्रतिपक्ष चुरहट विधायक अजय सिंह भी चिंतित है. उन्होने सवाल उठाते हुए कहा कि एक ओर मंहगाई की मार है तो दूसरी तरफ इस तरह के करंट मारते बिलो ने ग्रामीण परिवारो की कमर तोड़ दी है. दरअसल उनके क्षेत्र में लगातार उपभोक्ताओं को अत्यधिक बिजली बिल थमाया जा रहा है जिसको लेकर उन्होने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सरकार और विभाग से खपत के आधार पर बिलों में सुधार किये जाने की बात कही है. साथ ही विभाग पर निशाना साधते हुए कहा कि गलत रीडिंग विभागीय उदासीनता के चलते निर्मित हुई है.

सांसद जी को टमस नदी की चिंता

नदियां किसी भी क्षेत्र की पहचान के साथ जीवन दायनी भी होती है और इनके संरक्षण-संवर्धन के लिये सरकार योजनाएं चला रही है, भले ही कागज तक सीमित हो. सतना-रीवा की भूमि को सिंचित करते हुए गंगा में मिलने वाली जीवन दायनी टमस नदी की चिंता सतना सांसद गणेश सिंह को है. भले ही वर्षो बाद उन्हे इसकी याद आई पर कहते है कि जब जागो तभी सबेरा, केन्द्रीय मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात कर टमस नदी के संरक्षण के लिये नमामि गंगे परियोजना के तहत विशेष कार्य योजना को मजूरी देने का आग्रह किया है. सतना मुख्यालय से सतना नदी बहती है जो आगे चलकर इसी क्षेत्र में टमस नदी से मिल जाती है और फिर रीवा की भूमि को सिंचित करने के बाद प्रयागराज पहुंचती है. दोनो नदियां प्रदूषण की समस्या से जूझ रही है, संरक्षण की बेहद जरूरत है. दरअसल पेयजल सप्लाई भी इन्ही नदियों से होती है. लिहाजा इनका संरक्षण और पुर्नजीवन बेहद आवश्यक है.

औद्योगिक विद्युत दर में भी कटौती हो

केंद्र के समान राज्य ने भी अपारंपरिक विशेष रूप से सौर ऊर्जा पर बल दिया है. सरकार का प्रयास है कि यह 2035 तक बढ़कर 65 प्रतिशत हो जाए.

मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने घरेलू तथा औद्योगिक इस्तेमाल की बिजली दरों में कटौती करने की घोषणा की है. घरेलू बिजली के लिए विद्युत दर में 100 यूनिट तक 26 प्रतिशत की कटौती चरणबद्ध तरीके से लागू की जाएगी. इसी तरह उद्योगों को दी जानेवाली बिजली की दर में 3 से 8 प्रतिशत 100 कटौती की जाएगी. राज्य में 2 करोड़ से अधिक ग्राहक प्रतिमाह यूनिट से कम बिजली का इस्तेमाल करते हैं जो इस निर्णय से लाभान्वित होंगे. महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग ने आगामी 5 वर्षों के लिए विद्युत दर निर्धारित की है. इसके अनुसार राज्य में घरेलू उपयोग की दर 100 यूनिट तक 2024-25 में 8.14 रु. प्रति यूनिट थी लेकिन चालू आर्थिक वर्ष में यह दर 7.31 रु. रहेगी. 2026-27 में यह दर 7.10 रु. हो जाएगी. 2029-30 में यह दर 6 रु. प्रति यूनिट रहेगी. इस तरह दरें घटती जाएंगी. महाराष्ट्र में विदेशी निवेश, निर्यात, नए उद्योग अधिक होने का दावा जाता है लेकिन अन्य राज्यों की तुलना में यहां बिजली महंगी है. इसलिए औद्योगिक और व्यापारिक विद्युत दर कम करने की मांग की जाती रही है. महाराष्ट्र में उद्योगों की प्रति यूनिट विद्युत दर 10 रुपए से अधिक है. जबकि पड़ोसी गुजरात, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, तेलंगाना व आंध्रप्रदेश में बिजली सस्ती होने से कितने ही उद्योग वहां शिफ्ट हो जाने की चेतावनी देते हैं. महाराष्ट्र में घरेलू बिजली दरों के समान ही उद्योगों के लिए भी विद्युत दर में कमी की जानी चाहिए. इसके बावजूद महावितरण के लिए बकाया विद्युत बिलों की वसूली की समस्या है. यह रकम 75,000 करोड़ रुपए से ज्यादा हो गई है. स्मार्ट मीटर का भी विरोध होता रहा है. केंद्र के समान राज्य ने भी अपारंपरिक विशेष रूप से सौर ऊर्जा पर बल दिया है. सरकार का प्रयास है कि यह 2035 तक बढ़कर 65 प्रतिशत हो जाए. दिसंबर 2025 तक महाराष्ट्र की विद्युत उत्पादन क्षमता 43,000 मेगावाट हो गई किया जिसमें अपारंपरिक ऊर्जा का योगदान 18,000 मेगावाट है. कृषि के लिए सौर पंपों का इस्तेमाल करने से पारंपरिक विद्युत उत्पादन व खर्च में कमी आई है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

दिमाग पर सवार होता शैतान तो खोजता युद्ध का मैदान

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, युद्ध मैदान में बाद में लड़ा जाता है लेकिन पहले वह इंसान के दिमाग में उपजता है. दुनिया में अनेक युद्ध रुकवाने और नोबल शांति पुरस्कार के लिए दावेदारी करनेवाले अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप सबसे बड़े युद्ध पिपासु बन गए हैं. इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उन्हें ईरान पर हमला करने के लिए उकसाया और पटाया. अपने दिमाग का इस्तेमाल किए बिना ही ट्रंप ने इस युद्ध में अमेरिका को झोंक दिया. इससे उनके मित्र अरब देश मुसीबत में फंस गए जहां अमेरिका के सैनिक अड्डे हैं. खाड़ी देशों में लाखों भारतीय काम करते हैं. उनके परिवार भी चिंतित हैं. तेल और गैस का संकट आ गया. यह सब ट्रंप के शैतानी दिमाग की वजह से है.'

हमने कहा, 'जहां तक दिमाग, मस्तिष्क या ब्रेन की बात है, उसमें 100 अरब न्यूरॉन्स रहते हैं. दिमाग में प्रतिदिन 50,000 से 70,000 तक विचार आते हैं. दिमाग में सूचना की गति 268 मील ईरान प्रतिघंटा की स्पीड से दौड़ती है.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, खाली दिमाग शैतान का घर रहता है. जब शैतान सक्रिय हो जाता है तो हमले करवाता है जिसमें मासूम बच्चे भी बड़ी तादाद में मारे जाते हैं. निर्माण विनाश में बदल जाता है. उल्टी खोपड़ी के नेता न खुद शांति से रहते हैं, न दूसरे को शांति से रहने देते हैं. अमेरिका पहले भी अपनी सीमा से बहुत दूर कोरिया, वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान में युद्ध करता रहा है. जापान में एटमबम उसी ने गिराए थे. लड़ाई छेड़े बिना उसे खाना हजम नहीं होता. भारत में शांतिलाल नाम के लोग मिल जाएंगे लेकिन अमेरिका में कोई पीसफुल या पीस लवर नामक आदमी नहीं मिलेगा.'

हमने कहा, 'इंसानियत, दया, करुणा, सहानुभूति की भावनाएं मानव मस्तिष्क में उपजती हैं. भगवान महावीर, गौतम बुद्ध, महात्मा गांधी हमारे देश में हुए. नेहरू भी विश्व शांति के समर्थक थे. अमेरिकी राष्ट्रपति कोई भी हो, वह दुनिया में अपना दबदबा या वर्चस्व चाहता है. इतनी सभ्यता विकसित होने के बाद भी वह आदिमानव के समान हिंसा करता है.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, युद्ध की खबरें लोग दिलचस्पी से पढ़ते हैं. संस्कृत में कहा गया है-युद्धस्य वार्ता रम्या। महाभारत भी तो कौरव पांडव के विनाशकारी युद्ध की गाथा है.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12198
- डॉ. सागर खादीवाला

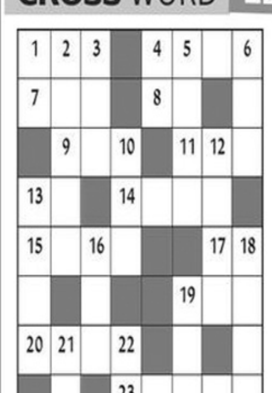

इंद्रवधु

ऊपर से नीचे
1. प्रेम में पागल हो जाने वाला, सुध-बुध खो देने वाला (उर्दू) 2. सोने का स्थान या गृह 3. सूअर, शूकर (सं.) 4. सांप का फन, विद्या 5. चुप कराना, शांत कराना 6. मोहित या मुग्ध होना 10. कसैला हो जाना, कसने का काम दूसरे से कराना 12. अस्तबल, गाड़ीखाना (सं.) 13. अयोध्या के राजा और श्रीराम के पिता 16. वह राक्षस जिसने स्वर्ण हिरन बनकर सीताजी को धोखा दिया था 18. वह जिसकी नाक कट गई हो, जिसकी बहुत दुर्दशा हुई हो (स्त्री) 19. इच्छा, चाह, बुलावा (उर्दू) 21. छोटा 22. वसंत ऋतु में काटी जाने वाली फसल

बाएं से दाएं
1. बचपन, शिशु की अवस्था (सं.) 4. वैलेंटाइन डे इसी माह के मध्य मनाया जाता है 7. गोल घेरा, वृत्त, कार्य या अधिकार का क्षेत्र (उर्दू) 8. अदद, संख्या 9. निष्प्रयोजन, व्यर्थ, वृथा (उर्दू) 11. निछावर करना, उत्सर्ग 13. छल कपट (उर्दू) 14. बनारस से चार मील दूर उत्तर पश्चिम में एक स्थान जहां पर शिव का मंदिर तथा बहुत बड़ा बौद्ध स्तूप है 15. लजाना 17. ठाठ-बाट, तड़क-भड़क 19. विधि के अनुसार पति-पत्नी का संबंध त्याग (उर्दू) 20. पृथ्वी पर रहने वाले जीव 23. एक छोटा रेंगने वाला कीड़ा जो लाल रंग का होता है,

Solution 12197

म	नो	रं	ज	न	■	न	क
ह	क	■	न्म	■	सु	ख	द
ल	दा	न	■	■	वि	रा	म
■	र	ज	नी	गं	धा	■	■
बूं	■	ला	ल	■	■	था	प
दा	सी	■	कं	ग	न	■	रि
बां	■	म	ठ	■	क	पा	स
दी	क्षि	त	■	ज	ल	क	र

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में राजनैतिक कार्यो में सफलता मिलेगी, नवीन योजनों का शुभारंभ होगा, वर्षके मध्यमेंतीर्थ यात्रा या धार्मिक कार्यो में रूचि रहेगी, राज सम्मान मिलेगा, प्रभाव में वृद्धि होगी,वर्ष के अन्त में पारिवारिक चिन्ता से मन विचलित रहेगा, कार्यक्षेत्र में आकस्मिक रूकावटें आयेंगी, धन संकट का सामना करना होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को नवीन योजनाओं मेंवृद्धि होगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियोंको राजसम्मान मिलेगा, प्रभाव में वृद्धि होगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को तीर्थ यात्रा करना होगी, धार्मिक कार्यो में रूचि रहेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को पारिवारिक परेशनी से मन विचलित रहेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों के स्वास्थ्य की चिन्ता हो सकती है, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को साहस बना रहेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्ति यात्रा प्रवास के शौकीन होते हैं.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक महत्वाकांक्षी होगा, अपने कामकाज में अच्छी तरह निपुण होगा, बालक को जब क्रोध आयेगा, तो जल्द शांत नहीं होगा, अपनी मनमर्जी का मालिक होगा, व्यवहार कुशलता रहेगी, अन्याय को सहन नहीं करेगा, खेलों के प्रति रूचि रहेगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

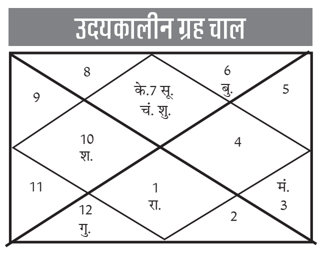

पंचांग

रा.मि. 25 संवत् 2082 चैत्र कृष्ण द्वादशी चन्दवासरे दिन 7/41, धनिष्ठा नक्षत्रे रातअंत 5/3, शिव योगे दिन 8/14, तैतिल करणे सू.उ. 6/4, सू.अ. 5/56, चन्द्रचार मकर शाम 4/38 से कुम्भ, पर्व- सोम प्रदोष व्रत, शु.रा. 10,12,1,4,5,8 अ.रा. 11,2,3,6,7,9 शुभांक- 3,5,9.

व्यापार भविष्य

चैत्र कृष्ण द्वादशी को धनिष्ठा नक्षत्र के प्रभाव से गेहूँ, जौ, चना, गुड़ खांड, मूँग, मोठ, दलहन में तेजी होगी, जूट, पाट, बारदाना, सन् आदि मेंउतार चढ़ाव के साथ तेजी होगी, जूट, पाट, सन आदि में घटाबढ़ी होगी, गेहूँ, जौ, चना, का रूख नरमी का रहेगा. भाग्यांक 4254 है.

मेष- बच्चों को जोखिम के कार्यो से दूर रखें, धन लाभ होगा, पारिवारिक सुख समृद्धि बढेगी, निजी दायित्वों की पूर्ति होगी, आर्थिक कार्यो में गति आयेगी.

वृषभ- कार्यस्थल पर लोग विरोध करेंगे, लेकिन आप चतुराई से काम बना लेंगे, मातृपक्ष से सुखद समाचारों की प्राप्ति होगी, आत्म विश्वास बना रहेगा.

मिथुन- नये मित्र बनेंगे जो आगे बढ़ने मे सहायक रहेंगे, आर्थिक कार्यो में समस्याओं का समाधान होगा, सुखद समाचार मिलने से प्रसननता होगी.

कर्क- लोग आपका व्यवहार देखकर हर संभव मदद को तैयार रहेंगे, कामकाज में मन लगेगा, प्रसन्नता रहेगी, दूर गये मित्र के संबंध में शुभ समाचार प्राप्त होगा.

सिंह- नए समझौते में घर के बुजुर्ग की सलाह उपयोगी रहेगी, मनोरंजक यात्रा होगी, आर्थिक मामलों में सावधानी रखें, जबावदारी का काम बनेगा.

कन्या- जरा सी गलती से बनी बनाई बात बिगड़ सकती है, आकस्मिक लाभ का योग है. नये लोगों से संबंध स्थापित होंगे, पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

तुला- आप जिन लोगों को अपना विश्वासपात्र मान रहे हैं, वे नुकसान पहुंचायेंगे, सावधानी रखें, स्वत: के संबंध में चिन्ता रह सकती है, कामकाज अपूर्ण रहेंगे.

वृश्चिक- आर्थिक दृष्टि से समय उतार चढाव रहेगा, लापरवाहियों के कारण नुकसान होगा, पड़ोसियों से संबंधों में मधुरता आयेगी, सम्मान प्राप्त होगा.

धनु- कार्यस्थल पर अपने व्यवहार को संयमित रखें, कार्य करवाने में आसानी होगी, बांधव विरोध होगा, अचानक नये खर्च सामने आ सकते है.

मकर- जितनी मेहनत करेंगे, उतना ज्यादा लाभ होगा, यदि आप लंबी यात्रा का प्रयास कर रहे हैं, तो उसमें सफलता मिलेगी, भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी.

कुम्भ- सफलता के बावजूद निराशा का अनुभव कर सकते हैं, दायित्वों की पूर्ति होगी, अधिकारियों के सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य बनेंगे, नवीन कार्यो में सुधार होगा.

मीन- अकेलेपन से उबरने में दोस्त आपकी मदद करेंगे, आर्थिक मामलों में जोखिम न लें, कार्यो की अधिकता से मन में चिड़चिडापन रह सकता है.

SUDOKU 7330

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7329

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6